

पंचपरगनिया ल'क कहनि

संकलन/संपादन

दीनबंधु महतो

पुष्पा कुमारी

ISBN : 978-93-85595-76-9

प्रथम संस्करण : 2016

प्रथम संस्करण : 2019

सर्वाधिकार © : संकलक द्वय

प्रकाशक : झारखण्ड झरोखा

दुकान न.- डी. जी. 03, न्यू बिल्डिंग, न्यू मार्केट,

रातू रोड, राँची, (झारखण्ड), पिन न. 834001

मो. 09973112040, 7979711886

E-mail : jh.jharokharnc@gmail.com

मूल्य : 250

Panchparganiya l'k kahni

by

Deenbandhu Mahto

Pushpa Kumari

दुइ काथा

पाँचपरगनिया छेतर' माहान बास'-बास करइआ जेतना लग आहएँ सउब लग केर मुँहे एकटा-निहीं एकटा हलउ' ल'क कहनि सुने के पाअब। इटा पाँचपरगना कर भितरे रहइआ लग केर एकटा खासगखास बिसेसता हेके। बुढ़ा पुरखा लगेक मुँहे त' बेजाइन किसिम केर कहनि भरल-पुरल आहे। जे गिला रउदेक राइते आर जाड़ेक राइते छुआ के सुनाल जाएला। सुनाल कहनि मइधे राजा-रानि, कर कहनि राइकस कर कहनि, भुत-पेरेत कर कहनि, धारमिक कहनि, एतिहासिक कहनि, भाँड़ कहनि, ठग कहनि, एक-तिन-पाँच-सात संइखा लेक कहनि, भगमान केर कहनि, नछतर' लेक संबंधित कहनि, डाइन-बिसाहि एमाइन केर कहनि जिकिर करल जाएला। जदि बा पाँचपरगना इलाका माहान बिभिन्न बिधाए कहनि केर झुरमुठ आहे मनतुक जेतना किछु मर दाराएँ हए पाइर आहे अतना टाइ जहड़ाए आहि। कुल जामा 43 टा कहनि आहे। कहनि बिधा कर अनुसारे इ किताब टाए जदि बा बेबसथित नि हए पाइर आहे तबे सउब बिधा केर मेसासाना कइर के लिखल जाए आहे। मर बिसास आहे जे पाँचपरगनिया 'ल'ककाथा' माहान स'ध करइआ छुआ के किछु बल मिलि। इ ल'क कहनि किताब टाए हिआँ केर एतिहासिक, भउगलिक साहितिक, सामजिक, आरथिक, सेइछिक एमाइन केर पुरना आभास मिलि। पाठक के मनरंजन केर संगे-संगे बिरता आर आतमबिसास के मजबुति मिलि। इ किताब टाक लिखल माहान पाठक कर नजइरे काहुँ भुल भाँति कन' कारन माहान हए आहे सेटाक खातिर हामरे छमा परारथि आहि।

जोहार

करमा परब

भादर एकादसी

2016

प्रो. दीनबंधु महतो

पुष्पा कुमारी

बिसइ सूचि

	पाठ	पृष्ठ
1.	कएल राजा	8
2.	जइग सेनि आर बुधिसेन	11
3.	पाँच भाइ आर एक बहिन	18
4	काड़ा दादा आर बिएजरि	24
5	गुल बकुल कर फुल	33
6	खेदा रानि	39
7	जाहि जुहि फुल	44
8	मामा भइगना	48
9.	राजा आर राकस	52
10	कारला रानि	58
11	पाँठि रानि	61
12	बितना	67
13	पुइतु बुढ़ा	71
14	सिआड़, हरिन आर कउआ	77
15	चारउआहा आर राकसिन बुढ़िआ	80
16	पेआज (हाइस कहनि)	86
17	हाथि आर सिआड़	88
18	राजा आर राकस	90
19.	रन भँइसि	93
20.	काल-1	97
21.	काल-2	100
22.	किसान आर पाँड़कि	101
23.	दारू	105
24.	फुचि चरइ	107

25.	तिन संगि	109
26.	हाथि डुबा सतिआ	112
27.	मादेइर बाछा	115
28.	चालाक बिलाइ	118
29.	तिन संगि आर मधरस	121
30.	रांगा सिआइ	123
31.	सरगेक सिढ़ि	125
32.	बुइध	127
33.	आसल कढ़ि	131
34.	छागेइर आर बाघ	134
35.	टिटु घंडा	137
36.	चरेक बुइधन राजाक बुइध	141
37.	बभ्रुत	145
38.	पाँच परगना माहान करम परबेक सुरूआत	149
	- मननारायण कारजी	
39.	पाँच परगना माहान सहँरइ परबेक सुरूआत	152
	- मननारायण कारजी	
40.	पाँच परगानिआ ल'क कथा - मननारायण कारजी	159
41.	पाँच परगानिआ ल'क कथा - मननारायण कारजी	161
	तिन कथा	
42.	पाँच परगानिआ ल'क कथा	
	बिहाक चलन - मननारायण कारजी	163
43.	सित बसंत - श्री लबधन महतो	169
44.	पाँखुड़ कर कहनि - श्री कृष्णा कुमार महतो	174
45.	हाला - ज्योति लाल महादानी	178
46.	नल दमएनति कर काथा	184—192

परिचय

नाम : दीनबन्धु महतो
पिता : स्व. दुलाल महतो
माता : श्रीमति सुपति देवी
पता : ग्रा.+पो.-पोगड़ा, थाना-सिल्ली, राँची (झारखण्ड)
शिक्षा : बी.एस.सी., एम.ए. (पंचपरगनिया) नेट-2007



शिक्षण : सिल्ली कॉलेज, सिल्ली-1990 से अब तक,

आंशिक शिक्षण : जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग, राँची वि.वि., राँची-1993 से अब तक

कृति : 1. मेसा कसा भाग-2 (दसवीं स्तर), 2. बांबरा - 2012 (सं.), 3. गइदेक भिनु-भिनु डाइर-2012 (सं.), 4. झूमर संगीत-2014 (अनु.), 5. पंचपरगनिया केर मइध कालिन काइब-2014 (सं.), 6. रामकिस्ट गांगुली केर गीत-2014 (सं.), 7. शब्दकोश संकलन (प्रतिभागी)

प्रकाशित आलेख :

1. आखड़ा पत्रिका
 2. बिहान पत्रिका
 3. झारखंड इन साइक्लोपेडिया (पंचपरगनिया भाषा साहित्य)
- अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार (प्रतिभागी)

नाम : पुष्पा कुमारी
जन्म तिथि : 11 जनवरी, 1969
माता : स्व. शारदा देवी
पिता : सुकदेव महतो
पति : दीनबन्धु महतो
पता : पोगड़ा, पो.-पोगड़ा, थाना-सिल्ली राँची (झारखण्ड)
शैक्षणिक योग्यता : एम.ए. (पंचपरगनिया)
वृत्ति : प्राध्यापिका-सिल्ली कॉलेज, सिल्ली
अन्य : साक्षरता अभियान के अंतर्गत प्रेरक कार्य 1995-2017



PUBLISHER :-



Jharkhand Jharokha

Shop No. D.G. 03, New building, New Market
Ratu Road, Ranchi (Jharkhand), Pin-834001
Mob. - 09973112040, 09471160792
E-mail : jharkhandjharokha@yahoo.com

ISBN : 978-93-85595-76-9



978-93-85595-76-9

मूल्य : 250.00 रु.